


13.11.18

प्रार्थी मम ककील उपा। अतिथीयान् ड  
ककील उपा। प्रार्थी ह्या एउ ठोकेदन  
इल आशम चा प्रस्तुत क्रिया कि  
हस्तगत प्रार्थना पत्रा आगे चलाना  
नही चार्ते है, प्रकरणा जारिपे डिड्डा  
आदिज फरमावे।

कलाश  
~~का~~

प्रकट तथ्यो एवम् उस्त ठोकेदन  
के मडेनज मह ठोकेदन पत्रा  
इसी लैज पर जारिपे डिड्डा  
आदिज क्रिया जाता है।

पत्राकली सुमार कुठल लगे  
दाखील दफ्तर हो

  
उप खण्ड अधिकारी